भारतीय विद्यालय अल घुब्रा

तरंगिणी

2023-24

संस्थापक की कलम से.....

हिंदी पत्रिका 'तरंगिणी' के नए संस्करण के लिए भारतीय विद्यालय अल घुब्रा बधाई का पात्र है । इस पत्रिका में हमारे विद्यार्थियों द्वारा रचित अनेक रचनाएँ हैं । इन रचनाओं को पढ़कर मेरा मन भाव-विभोर हो उठता है | राष्ट्रभाषा हिन्दी का हमारे हृदय में विशेष स्थान है और रहेगा | हिंदी विभाग इस सराहनीय कार्य के लिए बधाई का पात्र है|

शुभकामनाओं सहित,
डॉ० पी मोहम्मद अली
संस्थापक
भारतीय विद्यालय अल घुब्रा
ओमान

अध्यक्ष की कलम से.....

'तरंगिणी' के नए संस्करण के प्रकाशन के लिए हिंदी विभाग को बधाई । राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति विद्यार्थियों का लगाव देखकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता होती है । 'तरंगिणी' का प्रकाशन कई वर्षों से होता आ रहा है, इस बात का मुझे बहुत गर्व है । विद्यार्थियों द्वारा रचित रचनाओं को पढ़कर बहुत आनंद आता है । मुझे विश्वास है कि 'तरंगिणी' इसी प्रकार हिंदी की सेवा करती रहेगी ।

शुभकामनाओं सहित,
अहमद रईस
अध्यक्ष
भारतीय विद्यालय अल घुब्रा
ओमान

प्रधानाचार्या की कलम से.....

इस वर्ष 'तरंगिणी' के नए संस्करण के प्रकाशन के लिए हिंदी विभाग को मैं हृदय से बधाई देती हूँ । इस पत्रिका में विद्यार्थी अपने मन की कोमल भावनाओं, कल्पनाओं को अपनी लेखनी के माध्यम से हम तक पहुँचाते हैं | मैं हिंदी विभाग की इस अथक प्रयास के लिए सराहना करती हूँ | आशा करती हूँ कि 'तरंगिणी' इसी प्रकार विद्यार्थियों को हिंदी में लिखने के लिए प्रोत्साहित करती रहेगी ।

शुभकामनाओं सहित,
पापड़ी घोष
प्रधानाचार्या
भारतीय विद्यालय अल घुब्रा
ओमान

उप–प्रधानाचार्य की कलम से.....

'तरंगिणी' अपने नए संस्करण के साथ पुनः उपस्थित है, इसके लिए हिंदी विभाग को अनेक शुभकामनाएँ । विद्यार्थियों का हिंदी प्रेम सराहनीय है | नन्हे हाथों द्वारा रचित लेख, कहानियों और कविताओं को पढ़कर मुझे बहुत प्रसन्नता मिलती है । यह पत्रिका विद्यार्थियों की प्रतिभा को उजागर करती है । मुझे पूरा विश्वास है कि इस वर्ष का संस्करण भी आप सभी का मन मोह लेगा ।

शुभकामनाओं सहित,
जी. श्रीकुमार
उप-प्रधानाचार्य
भारतीय विद्यालय अल घुब्रा
ओमान

विभागाध्यक्षा की कलम से .....

तरंगिणी पत्रिका अपने अगले अंक को लेकर आपके समक्ष प्रस्तुत है | सदैव की तरह सम्मिलित सामग्री बेहद रुचिकर एवं प्रभावी है | पत्रिका में समाविष्ट रचनाएँ ज्ञानवर्धक, शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक हैं | आप इस अंक को पढ़कर निश्चित रूप से आनंद का अनुभव करेंगे | हमारा यह प्रयास कहाँ तक सफल हुआ है इसके लिए आपके बहुमूल्य सुझावों और परामर्शों को पाने के लिए मेरी उत्सुकता सदैव बनी रहेगी |

सुनीता कुमार चौधरी
हिंदी विभागाध्यक्षा
भारतीय विद्यालय अल घुब्रा
ओमान

विद्यार्थियों की कलम से

ईमानदारी का फल

बहुत समय पहले दक्ष नाम का एक लड़का अपने माता-पिता के साथ शहर में रहता था | वह पढ़ाई में बहुत अच्छा था | उसे डिज़ाइन वाली कलमें बहुत पसंद थीं | वह अपने माता-पिता से हमेशा डिज़ाइन वाली कलमें खरीदने के लिए कहता था लेकिन पैसों की कमी के कारण वे उसे मना कर देते थे | एक दिन वह स्कूल से वापस आ रहा था कि तभी उसे सड़क पर डिज़ाइन वाली तीन कलमें पड़ी दिखीं | उसने आस-पास देखा तो कोई भी उसे नहीं देख रहा था | उसने उन कलमों को उठाकर अपने बस्ते में रख लिया और घर लौट आया | शाम को गृहकार्य करते समय उसने डिज़ाइन वाली कलमें निकालीं और उनसे लिखने लगा | तभी उसकी मम्मी कमरें में आईं और उसे डिज़ाइन वाली कलमों से लिखता देख पूछने लगीं कि ये उसे कहाँ से मिलीं | तब दक्ष ने उन्हें पूरी बात बताई | जिसे सुनकर उसकी मम्मी ने उसे उन कलमों को पाठशाला में जमा करने को कहा | अगले दिन दक्ष ने उन्हें पाठशाला के कार्यालय में ज़मा करवा दिया | वे कलमें दक्ष के एक सहपाठी पिंटू की थीं जो घर जाते समय रास्ते में उसके बस्ते से गिर गई थीं | उसने कार्यालय में जाकर अपनी कलमें वापस ले लीं और उनमें से एक दक्ष को इनाम स्वरूप दे दी | इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि किसी भी परिस्थिति में अपनी ईमानदारी नहीं छोड़नी चाहिए |

सिद्धी भारद्वाज
6 एफ़

सफल लोगों की आदतें

- वे लक्ष्य निर्धारित करते हैं |
- वे अपने जीवन की ज़िम्मेदारी स्वयं लेते हैं |
- उनके पास महान आत्म अनुशासन होता है |
- वे आत्म विकास के प्रति सजग रहते हैं |
- वे अध्ययनशील होते हैं |
- वे अपने समय का अच्छे से प्रबंधन करते हैं |
- वे ज़ोखिम उठाने के लिए तैयार रहते हैं |
- बुरी से बुरी परिस्थिति में भी बिना रुके चलते रहते हैं |
- वे सफल होने के लिए नए पथ बनाते हैं |
- वे हर हाल में खुश रहते हैं |

शरण विनोथ विजय
6 एफ़

अक्लमंद चिड़िया

बहुत समय पहले की बात है एक गाँव में एक शिकारी और एक चिड़िया रहती थी । एक दिन शिकारी शिकार करने निकला । उसकी नज़र उड़ती हुई चिड़िया पर पड़ी । चिड़िया की सुंदरता को देखकर शिकारी ने सोचा कि अगर मैं इसे पकड़कर बाज़ार में बेचूँ तो मुझे अच्छे पैसे मिलेंगे । उसने जाल बिछाकर चिड़िया को पकड़ लिया । चिड़िया ने जाल से निकलने की कोशिश की लेकिन असफल रही । चिड़िया शिकारी से बोली ऐ! अक्लमंद आदमी, मैं कितनी छोटी-सी चिड़िया हूँ । मुझे बेचकर कोई फ़ायदा नहीं होगा । अगर तुम मुझे आज़ाद कर दोगे तो मैं तुम्हें तीन अच्छी बातें बताऊँगी । शिकारी ने लालच में आकर चिड़िया को छोड़ दिया । चिड़िया उड़ गई और बोली नामुमकिन बात पर कभी विश्वास मत करना ।

नूर रबिया
5 ई

आओ, पर्यावरण बचाएँ

आओ, हम सब मिलकर आज,
पर्यावरण को स्वच्छ बनाएँ ।
प्रदूषण को दूर भगाएँ,
प्रकृति का सम्मान बचाएँ ।
आओ, पर्यावरण बचाएँ ।
पेड़-पौधों को बचाएँ,
सभी जीवधारियों के प्राण बचाएँ ।
स्वच्छ हवा का आनंद उठाएँ,
आओ, पर्यावरण बचाएँ ।
नदी को दूषित न करें सभी जीव
स्वच्छ जल का आनंद उठाएँ,
अपनी धरती का सम्मान बचाएँ
आओ, पर्यावरण बचाएँ ।

सृष्टि वी.के.
6 डी

मेहनत का फल

एक गाँव में एक गरीब लड़का रहता था जिसका नाम लट्टू था । वह बहुत गरीब था लेकिन पढ़कर मशहूर बनना चाहता था । उसका अरमान था कि वह अपने देश, पिताजी और माताजी की सेवा करे । उसने दिन-रात मेहनत की और यू.पी.एस.सी. की परीक्षा पास की । वह आई.ए.एस. बन गया और फिर उसने अपने देश, माता-पिता की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन लगा दिया ।

अनुराग चक्रवर्ती

6 डी

मेरा स्कूल

कितना सुंदर है स्कूल ।

इनमें रंग बिरंगे फूल ॥

फूल सुहाने सबको भाते ।

उन्हें देखकर सब ललचाते ॥

टीचर हमको पाठ पढ़ाती ।

नई-नई बातें सिखलाती ॥

फूलों से गिनती करवाती ।

टॉफ़ी देकर हमें खिलाती ॥

नेहा श्रीनाथ
5 सी

एक यादगार दिन

मेरा नाम सानी है | मैं तीसरी कक्षा में पढ़ती हूँ | मेरी पाठशाला का नाम भारतीय विद्यालय अल घुब्रा है | मैं आपके साथ अपना एक अनुभव साझा करना चाहती हूँ | अक्तूबर २०२२ के दिन विद्यालय में तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था | मैंने भी इस प्रतियोगिता में फ़्री स्टाइल में हिस्सा लिया था | मैं तीसरे स्थान पर आई | जिससे मैं बहुत खुश हुई | वह दिन मेरे जीवन के यादगार दिनों में से एक था | प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मेरे माता-पिता और शिक्षकों ने मुझे प्रोत्साहित किया था | उनका मैं दिल से धन्यवाद करती हूँ |

सानी महाकाल

3 सी

माया का एक दिन

माया एक छोटी सी बच्ची थी |

वह अपने मामा के साथ रहती थी |

एक दिन वह मामाजी के साथ चिड़ियाघर गई |

वहाँ उसने शेर , हाथी और हिरण जैसे जानवर देखे |

शाम होते-होते वह घर लौट गई |

उसने नहा धोकर खाना खाया और सो गई |

उसने अपने सपने में एक विशाल तोता देखा |

जब वह उठी तब तक सूरज निकल आया था |

वह बहुत खुश थी |

मन्हा

4 बी

समय

समय कभी न रुकता,

समय कभी न ठहरता,

समय निरंतर चलता रहता,

समय कभी न एक जैसा,

समय निरंतर बदलता रहता,

समय को कोई न रोक पाया,

समय को कोई न बदल पाया,

समय-समय की बात है भैया,

समय सभी का बदलता रहता ।

मोहम्मद असहाज़

6 डी

मेरी पहली बस यात्रा

मैं हमेशा कार या हवाई जहाज से ही सफ़र करता हूँ । पिछले वर्ष जब मैं मुंबई गया तब हम सभी दोस्तों ने मिलकर 'गेट वे ऑफ इंडिया' और ताज़ होटल देखने के लिए बस से जाने का निश्चय किया । मैं इस यात्रा के लिए बहुत उत्साहित था क्योंकि यह मेरी पहली बस यात्रा थी । हमने बस स्टैंड पर जाकर टिकट खरीदे और बस में चढ़ गए । बस भी बहुत आरामदायक थी । हमने पैक किए गए नाश्ते को खा लिया और रास्ते में कुछ स्नैक्स- चिप्स और जूस खरीदे । मौसम बहुत ही सुखद था बस सही समय पर शुरू हुई हमें खिड़की के निकट बैठने की जगह मिली । थोड़ी देर बाद बस ने अपनी रफ़्तार पकड़ी और मुंबई की शानदार सड़कों पर दौड़ने लगी । शाम का समय था थोड़ा अंधेरा होते ही मुंबई की जगमगाहट देखते ही बनती थी रोशनी से जगमगाता हुआ समुद्र के किनारे का नज़ारा बहुत ही खूबसूरत था । बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया । एक जगह पर रुककर हमने मुंबई के प्रसिद्ध व्यंजन पाव-भाजी और वड़ा-पाव का आनंद भी उठाया । लेकिन जब बस भीड़ भरे इलाकों से गुज़रने लगी तो मुझे कुछ घबराहट होने लगी । एक यात्री ने मुझे जल्दी से पानी पिलाया तब मुझे कुछ राहत मिली । बस की गति भी काफ़ी धीमी हो गई थी । सभी तरफ़ कोलाहल सुनाई दे रहा था किसी तरह रुकते-रुकते हम अपने गंतव्य तक पहुँच गए ।

आर्यन महेश नायर

8 ए

परोपकार का फल

एक समय की बात है | एक गाँव में एक किसान रहता था | वह बहुत मेहनती और दयावान था | एक बार अत्यधिक गर्मी और सूखा पड़ने के कारण उसकी फ़सल ख़राब हो गई | थोड़ा-सा अनाज जो बचा था वह उसने अपने लिए रख लिया | एक दिन उस किसान के पास कुछ चिड़ियाँ आईं और किसान से बोलीं कि हम सब पक्षी भूखें हैं क्या कुछ खाने के लिए मिल सकता है | किसान ने बचे हुए दाने पक्षियों को डाल दिये | सभी चिड़ियों ने पेट भरके दाने खाए और किसान को धन्यवाद देकर वहाँ से चली गईं | अगली सुबह जब किसान खेत गया तब उसने देखा कि खेत में फ़सल लहलहा रही है क्योंकि रात में वहाँ बारिश हुई थी | यह नज़ारा देखकर

किसान हैरान हो गया | तभी वहाँ पक्षियों का वही झुंड आया जिसे सुबह किसान ने दाने डाले थे | वे सभी जादुई पक्षी थे | उन्होंने खुश होकर किसान को यह इनाम दिया था | यह देखकर किसान बहुत प्रसन्न हुआ और उसने उनका बहुत धन्यवाद किया | वे पक्षी उसे आशीर्वाद देकर वहाँ से चले गए | किसान फिर से मेहनत करने में लग गया | इस कहानी से हमें यह सिक्षा मिलती है कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा कभी व्यर्थ नहीं जाती |

अर्ना लखनपाल
4 ए

मेरी अविस्मरणीय यात्रा

किसी भी यात्रा का एक अपना अलग ही सुख है । यात्रा करना तो बहुत लोगों को पसंद है । यात्रा का अनुभव एक अनोखा रोमांच प्रदान करता है। मेरी शिमला यात्रा तो आज भी मेरे लिए अविस्मरणीय है। मुझे पहाड़ी स्थानों पर जाना बहुत पसंद है हमारे स्कूल की गर्मियों की छुट्टियाँ शुरू हो चुकी थीं इसलिए हमने अपने परिवार के साथ हिमाचल के प्रसिद्ध हिल स्टेशन शिमला जाने का कार्यक्रम बनाया जो पहाड़ियों और प्राकृतिक सुंदरता से घिरी एक बेहद खूबसूरत जगह है। हम सभी शिमला जाने के लिए बहुत उत्सुक थे कुछ ही घंटों की यात्रा के बाद हम अपने गंतव्य स्थान पर पहुँच गए । कार की खिड़की से सफ़ेद बर्फ़ के पहाड़ आसमान में सफ़ेद बादल और हरे भरे पेड़ों का अद्भुत नज़ारा देखने को मिल रहा था। चारों ओर फैले पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता देखकर हम सभी आनंदित हो रहे थे | यहाँ की हवा में नमी थी जो हमारे दिल और दिमाग को बेहद सुखद एहसास दे रही थी । हम वहाँ बर्फ के गोले बनाकर एक दूसरे के साथ खेले और हमने वहाँ स्केटिंग का भी लुत्फ़ उठाया चार दिन तक शिमला घूमने के बाद वापस घर आ गए। शिमला की यात्रा हम सभी के लिए एक यादगार यात्राओं में से एक है।

अयान संतोष शेट्टी
8 सी

चिड़िया रानी

चिड़िया माँ ने फ़ोन उठाया,
झट बच्चों को फ़ोन मिलाया,

अन्न का दाना मिला नहीं,
दूर बहुत मैं निकल गई,

छतरी घर पर भूल गई,
बारिश झम-झम तेज़ हुई,

बस पकड़कर झट पहुँचूँगी,
देर बिलकुल नहीं करूँगी |

हैज़ल गिगी
3 सी

समय

सूरज सदा समय पर आता और समय से है वह जाता |

चंदा सदा समय पर आता और सदा समय से है वह जाता |

तारे सदा समय पर आते और समय से है वह जाते |

दुनिया का चक्कर प्रतिदिन ये सारे मिलकर लगाते |

हैं पाबंद समय के ये पल भर देर नहीं करते |

ठीक समय पर सोते हैं ये ठीक समय पर हैं जग जाते|

अगर समय की पाबंदी हम सीख कहीं से जाएँ |

तो फिर हम भी सूरज चाँद सितारों जैसे बन जाएँ |

अलरिया सी
4 डी

विश्वास

एक समय की बात है चीन में एक बूढ़ा किसान रहता था। उसका एक बीस साल का बेटा था और उसने बहुत से घोड़े भी पाल रखे थे । एक दिन उसका सबसे शक्तिशाली और सुंदर घोड़ा घर से भाग गया । लोगों ने उस बूढ़े आदमी से कहा, अरे! तुम्हें अपना घोड़ा खोने का दुख नहीं है क्या? उस समय उस बूढ़े किसान ने कुछ नहीं कहा । अगली सुबह वह घोड़ा अपने साथ और बीस घोड़ों को लेकर वापस अपने घर लौट आया । लोग इसे देखकर हैरान हो गए । कुछ ही दिन बाद उसके बेटे का पैर टूट गया । दूसरे दिन राजा के एक सैनिक ने घर का दरवाज़ा खटखटाया और पूछा, तुम्हारा कोई बेटा है जो जंग में जा सके । उसने कहा, बेटा है लेकिन उसका पैर टूट गया है । उसने कहा, अगर मुझे ले जाना है तो मैं तैयार हूँ । सैनिक ने हँसकर कहा, तुम्हें कौन जंग में शामिल करेगा । बूढ़ा किसान चुप रहा । लोगों ने कहा, तुम पर जब भी विपत्ति पड़ती है कभी भी तुम विचलित नहीं होते और न दुखी होते हो ऐसा क्यों ? बूढ़ा किसान हँसा और कहा मेरे पास सब्र है । भगवान ने जो मेरे लिए सोचा है वह सबसे श्रेष्ठ है । हमें इस बात पर भरोसा करना चाहिए ।

इस्साम कुरैशी
7 एफ़

खुद को पहचान

एक अदृश्य शक्ति जो हमें प्रतिपल सहारा देती है | यह मैंने उस समय अनुभव किया, जब मुझे सहायता के लिए कोई नज़र नहीं आ रहा था | तब किसी ने मुझे अंदर से जगाया और बोला- " तू अकेली नहीं है | मैं तेरे साथ हूँ |" इतना सुनते ही मेरा सोया हुआ आत्मविश्वास जाग गया और मैं हर मुसीबत का मुकाबला करने के लिए तैयार हो गई | फिर क्या था, मैंने पाया कि जो रास्ते बंद हो गए थे, वे अपने आप खुल गए | और जो एक सपना-सा लगता था, वह अब साकार हो गया | बस उसी दिन से मेरा उस शक्ति पर विश्वास बढ़ता गया | फिर जीवन में आए संघर्ष मुझे तोड़ नहीं पाए | वह शक्ति कहीं और नहीं आपके अंदर ही है, जिसे हम भूल गए हैं | बस उसको जगाना होगा | उसके बाद कुछ भी असंभव नहीं |

विनीता गौतम
अध्यापिका

अच्छा बच्चा

अहमद एक अच्छा बच्चा है
वह सुबह जल्दी उठता है,
अपने माता-पिता की बात सुनता है,
समय पर खाता और सोता है,
साफ़-सफ़ाई रखता है,
अच्छे कपड़े पहनता है,
अपने बाल और नाखून काटता है,
कभी झूठ नहीं बोलता है,
कभी चोरी नहीं करता है,
कभी किसी का बुरा नहीं करता है,
कभी किसी का मज़ाक नहीं बनाता है,
प्रतिदिन स्कूल जाता है,
अपना पाठ याद करता है,
शिक्षकों का सम्मान करता है,
कभी जिद नहीं करता है,
बड़ों का सम्मान करता है,
किसी से झगड़ा नहीं करता है,
समय की कद्र करता है,
समय पर हर काम पूरा करता है,
अहमद एक अच्छा बच्चा है |

सयैदा अरफ़ा फ़ातिमा
4 डी

फूल बनो

जीवन में फूल बनें,
धूल में मिलने से पूर्व,
करना है कुछ कार्य अपूर्व,
धूल में मिलना, फिर-फिर खिलना,
जीवन नियति है, मिट जाने की,
यही गति है मानव-तन की,
फूल की तरह झरने से पहले,
हाँ, हाँ जाने से पहले,
रस-गंध बिखेरनी है।
सुवासित करना है,
धरती का कोना-कोना।
जीवन की सार्थकता है फूल होना,
फूल की तरह मुसकान को,
जीवन में जीवंतता देना,
फूल टूटते हैं, सहते हैं,
निष्ठुर हाथों का कठोर प्रहार,
फिर भी हँसते हैं, नहीं मानते हार,
पत्थर पड़े रहते हैं औंधे मुँह,
न हंसते हैं, न रोते हैं,
फूल पत्थर की गोद में उगकर,
जीवन का देते हैं मधुर संदेश,
महका देते हैं पूरा परिवेश,
काँटे रहते हैं शाख पर,
बरसों-बरस, केवल देते हैं चुभन,
फूल कुछ दिनों ही जीते हैं,
मगर बिखेरते हैं सदा मुसकान,
मित्रो! जीवन की यही है पहचान,
तो काँटे न बनो, पत्थर न बनो,
बस फूल बनो,
फूल-सी मुसकान वरो,

फूल कुछ दिनों ही जीते हैं, मगर,
बिखेरते हैं सदा मुसकान,
मित्रो! जीवन की यही है पहचान,
तो काँटे न बनो,
पत्थर न बनो,
बस फूल बनो,
फूल-सी मुसकान वरो,
लघु जीवन को सार्थक करो,
फूल बनो, बस फूल....

सीमा मैसी
अध्यापिका

मेरी सऊदी से कुवैत की यात्रा

हम तीन साल से सऊदी में रह रहे थे | इस बार अब्बू ने गर्मियों की छुट्टियाँ कुवैत में बिताने का विचार किया | यह सुनकर मैं बहुत खुश और उत्साहित था मैं पहली बार दूसरे देश में घूमने जा रहा था | अगली सुबह हमारी यात्रा प्रारंभ हुई, तब मुझे समझ आया कि लंबी यात्रा बहुत नीरस होती है | रास्तेभर हमें सिर्फ़ रेगिस्तान मिला | लेकिन जब हमने कुवैत में प्रवेश किया तब वहाँ का मौसम बहुत ही अच्छा था और वहाँ की सुंदरता देखते ही बनती थी | हमने कुवैत में अपनी छुट्टियों का बहुत आनंद उठाया |

इब्राहिम शेख

4 ए

कोशिश

कोशिश कर हल निकलेगा,
आज नहीं तो कल निकलेगा,
कर निरंतर अभ्यास,
अपने कर्म-पथ पर बढ़ने का प्रयास,
चट्टान-सा अडिग,
अर्जुन के तीर सा साध,
निराशा त्याग आगे बढ़,
कोशिश कर हिम्मत रख,
लक्ष्य हो एक, कोशिश कर हजार,
रुक न कभी बस कर मंजिलों से प्यार,
ताकत को जुटा हौसलों को आग दे,
कोशिश कर निराशाओं को त्याग दे,

अब हार को पीछे छोड़,
बन निडर जीत को पकड़,
कोशिश कर कुछ कर गुजरने की,
अब हिम्मत कर अपने पथ पर
आगे बढ़ने की ।

आहाना पवार
5 ई

बदलाव

रुख के बदलने की क्या बात करें,
हमने देखा है अपनों को बदलते !
फूलों के मुरझाने की क्या बात करें,
हमने देखा है रिश्तों को मरते हुए !
गिरगिट के रंग बदलने की शिकायत कैसे करें,
हमने देखा है अपनों को रंग बदलते हुए !
मेरे दोस्त, हम ज़माने के बदलने की बात कैसे करें,
जबकि देखा है खुद को बदलते हुए।

ऋत्विक सनथ
6 डी

शिक्षा

अक्षर तो हैं हमने सीखे,
काम करेंगे सुंदर सरीखे |

वर्णों से शब्द बनाएँगे,
जग में नाम कमाएँगे |

पुस्तक हमारी सच्ची साथी,
अज्ञान हमारा दूर भगाती |

पढ़-लिख साक्षर कहलाएँगे,
अज्ञान रूपी अंधकार को हराएँगे |

ज्ञान का दीप जलाएँगे,
खुद पढ़ेंगे, औरों को पढ़ाएँगे |

एक जब एक को पढ़ाएगा,
तब सारा देश साक्षर हो जाएगा |

मरियम
4 ए

मेरी माँ मेरी सबसे अच्छी शिक्षक

मेरी माँ मेरी सबसे अच्छी शिक्षक है उनका नाम संगीता है और उसके द्वारा दी जाने वाली हर एक शिक्षा अनमोल है । मैं उनसे बहुत स्नेह करता हूँ । जब मैं छोटा था तो मेरी माँ ने मेरी उंगली पकड़कर चलना सिखाया । जब मैं थोड़ा बड़ा हुआ तो मेरी माँ ने मुझे कपड़े पहनना, ब्रश करना, जूते का फीता बाँधना भी सिखाया । गलती पर डाँट भी लगाई । उनकी आवाज़ बहुत मीठी है । वह मेरे हर परेशानी में मेरे साथ खड़ी रहती है । वह पढ़ाई में मेरी सहायता करती है । मैं इस बात को काफ़ी गर्व के साथ कह सकता हूँ कि मेरी माँ मेरी गुरु होने के साथ ही मेरे जीवन की प्रेरणा भी है ।

अवंक त्यागी
6 सी

मैं भारत हूँ

सभ्यता नींव में है जिसके वो आलीशान इमारत हूँ,
मैं भारत हूँ, मैं भारत हूँ ।
मस्तक पर ताज हिमालय का और चरण पखारे सिन्धु जल,
मेरा गौरव है मुझपर बहता गंगा-यमुना का जल,
मंदिर का मंत्रोच्चार और मस्जिद की एक इबादत हूँ,
मैं भारत हूँ, मैं भारत हूँ ।

सर्वधर्म सम्भाव अहिंसा यही हमारा नारा है,
कोई न छोटा बड़ा यहाँ, हर बच्चा मुझको प्यारा है,
संविधान के रूप में लिखी मैं एक नेक इबारत हूँ,
मैं भारत हूँ, मैं भारत हूँ ।
मेरा सपूत कोई सीमा पर जब शहीद हो जाता है,
मरकर वो मेरा सीना फिर छप्पन का कर जाता है,
वो मुझपे मरता है और मैं उसकी पाक शहादत हूँ,
मैं भारत हूँ, मैं भारत हूँ ।
अगणित रत्न जड़े मुझमें कोई हिन्दू कोई मुसलमान,
न है कोई भेदभाव एक धरती है एक आसमान,
मैं गीता का श्लोक और कुरान की आयत हूँ,
मैं भारत हूँ, मैं भारत हूँ ।

पूर्णिमा सिंह
अध्यापिका

शिक्षक

जीवन में जो सब दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए,
माता-पिता से पहले आए,
सबसे सदा आदर वह पाए |

विद्यालय की मान-प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा सबने इनसे,
पथप्रदर्शक सबका वह पहले दिन से,
ज्ञान का प्रकाश फैले जिनसे |

कभी शांत तो कभी हँसाता,
रोज़ विद्यालय जब वह आता,
मेरे चेहरे पर मुस्कान लाता,
मेरा शिक्षक मुझे बहुत भाता |

इशिता ठाकुर
7 बी

सच्चा शिक्षक

एक सच्चा शिक्षक वह है जो हमारा मार्गदर्शन करता हैं और हमें गलत रास्ते पर चलने से रोकता है | आगे बढ़ने का रास्ता दिखाता है | सही और गलत की पहचान करना सिखाता है | शिक्षक हमें नैतिकता का पाठ पढ़ाता है और अच्छे कर्म करते रहने के लिए प्रेरित करता है | 5 सितम्बर के दिन इनके सम्मान में हम शिक्षक-दिवस मनाते हैं |

आरना नारंग
7 बी

घमंडी पेड़

बहुत पुरानी बात है एक घना जंगल था । उसमें एक बादाम का पेड़ और एक आम का पेड़ था । बादाम का पेड़ बहुत घमंडी था और आम का पेड़ बहुत विनम्र था । एक दिन कुछ पक्षी बादाम के पेड़ के पास आए । बादाम के पेड़ ने उन्हें भगा दिया लेकिन आम के पेड़ ने उन्हें बुलाया और उनसे घोंसला बनाने को कहा । कुछ दिन बाद मधुमक्खियाँ आईं आम के पेड़ ने उन्हें भी छत्ता बनाने दिया । मधुमक्खियों ने आम के पेड़ का धन्यवाद किया । कुछ दिन बाद वहाँ एक लकड़हारा आया । उसने जैसे ही आम के पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता बना देखा वह डर के भाग गया । तभी उसकी नजर बादाम के पेड़ पर पड़ी। वह उसे काटने लगा । बादाम का पेड़ घबरा कर रोने लगा । तभी आम के पेड़ ने मधुमक्खियों को लकड़हारे को भगाने भेजा जैसे ही लकड़हारे ने मधुमक्खियों को देखा, वह भाग खड़ा हुआ । बादाम के पेड़ को अपनी गलती का एहसास हो गया । उसने आम के पेड़, पक्षी और मधुमक्खियों से माफ़ी माँगी । उसके बाद दोनों पेड़ अच्छे मित्र बन गए ।

हमें हमेशा विनम्र रहना चाहिए ।

आरव

6 डी

हमारा विद्यालय

ये विद्या का आलय है, भारतीय विद्यालय,
ये ज्ञान का भंडार है, भारतीय विद्यालय,
सभी विद्वान शिक्षिक-शिक्षिकाएँ,
हमको यहाँ सिखाते हैं,
हिन्दी, गणित, विज्ञान आदि विषयों का,
हमें पाठ पढ़ाते हैं,
खेलकूद नृत्य कला संगीत हमें,
जीवन मूल्य समझाते हैं,
विविध रंग-रूप, वेश-भाषा,
अनेकता में एकता दर्शाते हैं,
आओ हम सब अपने परिश्रम से इसका मान बढ़ाएँ,
इसकी गौरव गाथा में,
चार चाँद लगाएँ |

आर्या अमित पराड़कर
9 बी

कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

एक बार एक शिष्य ने अपने गुरू से कहा कि गुरूदेव मैं अपने कठिनतम लक्ष्यों को कैसे प्राप्त कर सकता हूँ ? गुरूजी थोड़ा सा मुस्कुराए और उसे भरोसा दिया कि वह उसे आज रात उसके सवाल का जवाब देंगे । शिष्य हर रोज शाम को नदी से गागर भरकर जल लाता था, ताकि रात को उसका इस्तेमाल हो सके। लेकिन, गुरूजी ने उसे उस दिन शाम को पानी लाने से मना कर दिया। जब रात हुई तो शिष्य ने गुरूदेव को अपने सवाल के लिए याद दिलाया । गुरूजी ने शिष्य को एक लालटेन दी और कहा कि जाओ पहले नदी से इस गागर में पानी भर लाओ । उस दिन अमावस्या थी और घोर अंधेरा होने की वजह से हाथ को हाथ नहीं दिखाई दे रहा था, और शिष्य भी कभी इतनी अंधेरी रात में बाहर नहीं गया था । अतः उसने कहा कि गुरूजी नदी तो बहुत दूर है और इस लालटेन के प्रकाश में से मैं कैसे इतना लम्बा सफर इस अंधेरे में कैसे तय करूँगा ? आप सुबह तक प्रतीक्षा कीजिए, मैं गागर सुबह भर लाऊंगा, गुरू जी ने कहा कि हमें जल की आवश्यकता तो अभी है और तुम सुबह लाने की बात कर रहे हो। जाओ और गागर को भरकर लाओ । शिष्य बोला कि गुरूजी इस अंधेरे में जाना संभव नहीं है । गुरूजी ने कहा कि अरे मूर्ख अंधेरा क्या देखता है, रोशनी को देख और आगे बढ़। रोशनी तेरे हाथों में है और तू अंधेरे से डर रहा है । गुरूजी के ऐसे वचन सुनकर शिष्य

आगे बढ़ गया। बस फिर क्या था शिष्य लालटेन लेकर आगे बढ़ता रहा और नदी तक पहुँच गया और गागर भरकर लौट आया । शिष्य ने कहा कि गुरूजी मैं गागर भरकर ले आया हूँ, अब आप मेरे सवाल का जवाब दीजिए । तब गुरूजी ने कहा कि मैंने तो तेरे सवाल का जवाब दे दिया है, लेकिन शायद तेरी समझ में नहीं आया । गुरूजी ने उसे समझाया कि यह दुनिया एक अंधेरी नगरी है, जिसमें हर एक क्षण एक लालटेन की रोशनी की तरह मिला हुआ है । अगर हम उस हर एक क्षण का इस्तेमाल करते हुए आगे बढ़ेंगे तो आनंदपूर्वक अपनी मंजिल तक पहुँच जायेंगे । किन्तु यदि भविष्य के अंधकार को देखते रहेंगे तो कोशिश करने से पहले ही हम विफल हो जायेंगे ।

अद्वय कौशिक

10 ई

प्रकृति का महत्त्व

यह कहना आसान नहीं है कि प्रकृति हमारे जीवन में महत्व रखती है। प्रकृति के बिना हम अपूर्ण हैं। प्रकृति वह सब कुछ है जो हमें जल, वायु, पशु, पक्षी, सूर्य, आकाश, पेड़- पौधे, समुद्र आदि की तरह घेरे हुए हैं। प्रकृति का सीधा प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है, इसलिए हमें इसे साफ़ रखना चाहिए और इसको और ज़्यादा सुंदर बनाने हेतु लोगों को जागरूक करना चाहिए। ईश्वर ने हमें प्रकृति को उपहार के रूप में दिया है।

फ़ातिमा अथर अंसारी
6 ए

न करो प्रकृति का शोषण

हरे-हरे खेतों में बरस रही हैं बूंदें,
सावन आया-सावन आया,
भर गया मेरा सारा आँगन,
लग रहा है खिल गई मन की सारी कलियाँ,
ऐसा आया वसंत,
लेके नए-नए फूलों का रंग,
चारों तरफ है हरियाली,
मन है प्रसन्न-प्रसन्न,
यह संसार है कितना प्यारा, कितना सुंदर,
लेकिन लोग नहीं उतने अक्लमंद,
एक निवदेन है सभी से,
न करो प्रकृति का शोषण |

डिंपल शर्मा
अध्यापिका

मेरी माँ

माँ एक ऐसा शब्द है, जिसके महत्व के विषय में जितनी भी बात की जाए कम ही है । माँ के बिना अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं । मेरी माँ का नाम लुबना है । वह बहुत ही प्यारी और हंसमुख है । मेरी माँ सुबह सबसे पहले उठ जाती है और घर में सब के लिए स्वादिष्ट खाना पकाती है । मुझे स्कूल जाने के लिए तैयार करती है पढ़ाई के साथ-साथ मुझे सही मार्ग पर चलने की सीख भी देती है । वह परिवार की खुशी में ही अपनी खुशी मानती है । मेरी माँ मेरी एक अच्छी मित्र भी है अगर मैं कभी दुखी हो जाऊँ तो वह प्यारी-प्यारी बातें करके मेरे चेहरे पर मुस्कुराहट लाती है । मैं अपनी माँ से बहुत प्यार करता हूँ और अपने आप को भाग्यशाली समझता हूँ कि भगवान ने मुझे इतनी प्यारी माँ दी है ।

उमर रिज़वान
6 सी

मेरी माँ

मेरी माँ है सबसे प्यारी,
मेरी माँ है सबसे न्यारी,
दुःख दूर करती है,
सारी खुशियाँ लाती है,
स्वादिष्ट खाना वह बनाती है,
एक भी सामग्री नहीं भूलती,
हम जो कहे वो ला देती,
गलत बात से हमें रोकती,
अच्छी बातें हमें सिखाती,
गलत राह से हमें बचाती,
कभी-कभार हम पर गुस्सा करती,
और हमेशा करती प्यार,
बारिश में भी मेरे आँसू देख लेती,
भरपेट खाना मुझे खिलाती,
चाहे खुद भूखी रह जाती,
मेरी रातों की नींद के लिए,
वह है सारी रात जागती,
और मेरी खुशियों के लिए,
सारे व्रत-उपवास वह करती,
ऐसी मेरी प्यारी माँ,
ऐसी मेरी न्यारी माँ |

दर्श सिजारिया
8 डी

मेरी माँ मेरी सबसे अच्छी मित्र

मेरी माँ का नाम प्रिया है । वह बहुत ही प्यारी और समझदार है । वह एक कुशल गृहणी है । घर में सभी उनका सम्मान करते हैं । मेरी माँ मेरे जीवन में कई सारी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाती है । जब मैं किसी समस्या में होती हूँ, तो वह मुझमें विश्वास पैदा करने का कार्य करती है । वह मेरी शिक्षक तथा मार्गदर्शक होने के साथ ही मेरी सबसे अच्छी मित्र भी है | वह बिना कहे मेरे मन की हर बात जान लेती है । वह पढ़ाई में मेरी मदद करती है । मुझे हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है । मेरी माँ मेरा आदर्श है मुझे अपनी माँ पर गर्व है।

काव्या

6 सी

बेटी

जब-जब पैदा होती है बेटी ,

तब-तब खुशियाँ लाती है बेटी,

ईश्वर का वरदान है बेटी ,

सुबह का पहला उजाला है बेटी,

तारों की ठंडी छाया है बेटी ,

आँगन में चहकती चिड़िया है बेटी,

त्याग की प्यारी मूरत है बेटी ,

नए-नए रिश्ते निभाती है बेटी,

जिस घर में जाए खुशियाँ लाती है बेटी ,

बेटी की कीमत पूछो उनसे ,

जिनके पास नहीं है बेटी ।

डिंपल शर्मा
अध्यापिका

इन्टरनेट और छात्र

इन्टरनेट एक उत्तम तकनीक,
सबको जोड़ के रखता ये,
सुविधा देता हमें अनेक,
छात्रों के आए बहुत ये काम,
अध्ययन करना बनाता आसान,
जानकारियों का इसमें भरमार,
संदेश भेजे दूर-दूर,
पल में मिलवाए उनको,
जिसकी याद सताए तुमको,
मनोरंजन का साधन है उत्तम,
घर बैठे दुनिया को जानो,
पर हैं कुछ नुकसान भी,
समझदारी से करो उपयोग ,
व्यायाम करना ना भूलो,
बीच-बीच में लो टहल |

तनुश वारियर
7 बी

आओ फ़ासलों को कुछ कम करते हैं

आओ फ़ासलों को कुछ कम करते हैं,
फिर से मिलकर एक नज़्म लिखते हैं,

हृदय में पलते मतभेदों को,
आज हम मिटा देते हैं,
ना हम खुद को कुछ कम
ना तुम्हे कुछ बेहतर कहते हैं,
लाल होते आसमां को फिर नीला करते हैं,
आओ, आज समझ को थोड़ा अहम देते हैं,

ये दुनिया मेरी है तो ये कुछ तुम्हारी भी है,
जीने का जज़्बा अगर तुममें है तो मुझमे भी है
नफरतों की आँधियों को रोक लेते हैं,
आओ, सौहार्द्र को अब हवा देते हैं,

ये तुमने किया या ये मैंने किया,
ये यहाँ हुआ या वो वहाँ हुआ,
ये आपस के मसलें आपस में ही सुलझा लेते हैं,
इस नाप-तौल को अब लगाम देते हैं,
इन ऊँची दीवारों को गिरा देते हैं,
सीमाओं को भुला देते हैं,
क्या मेरा है और क्या तेरा है,
इन सवालों को अब भुला देते हैं |
आओ फ़ासलों को कुछ कम करते हैं
फिर से मिलकर एक नज़्म लिखते हैं |

ऋतु श्रीवास्तव
अध्यापिका

मैत्री

एक गाँव था । उसमें बहुत सारे लोग रहते थे । गाँव में दो भाई रहते थे एक का नाम राम था और दूसरे का विहान । राम बहुत मेहनती था पर विहान बहुत आलसी था । राम हर रोज़ जल्दी उठकर काम पर लगता विहान हर दिन सोता रहता और कुछ भी काम नहीं करता । उसका काम बस सोना और खाना था । राम उसे हर रोज़ समझाता पर विहान कुछ भी नहीं सुनता एक दिन राम ने एक तरीका सोचा उसने काम करना छोड़ दिया जब विहान सो के उठा वह खाना खाने जा रहा था । उसने देखा खाने को कुछ नहीं था । विहान ने राम से पूछा, राम खाना कहाँ है ? राम ने बोला, "मैंने काम करना छोड़ दिया है इसलिए हमारे पास इतना पैसा नहीं है ।" सिर्फ मेरे लिए थोड़ा खाना बचा हुआ था । विहान ने सोचा और बोला अब एक ही तरीका है, मेहनत करना । उस दिन से विहान

सुबह जल्दी उठता था और काम पर लग जाता था । तब राम ने विहान को बोला कि मैंने तुम्हें समझाने के लिए यह तरीका अपनाया था । विहान ने अपनी गलती समझी और वादा किया कि वह आज से कभी भी आलस नहीं करेगा । राम विहान को सुधरा हुआ देखकर बहुत खुश था।

ओमार दियान
4 सी

वनों की कटाई

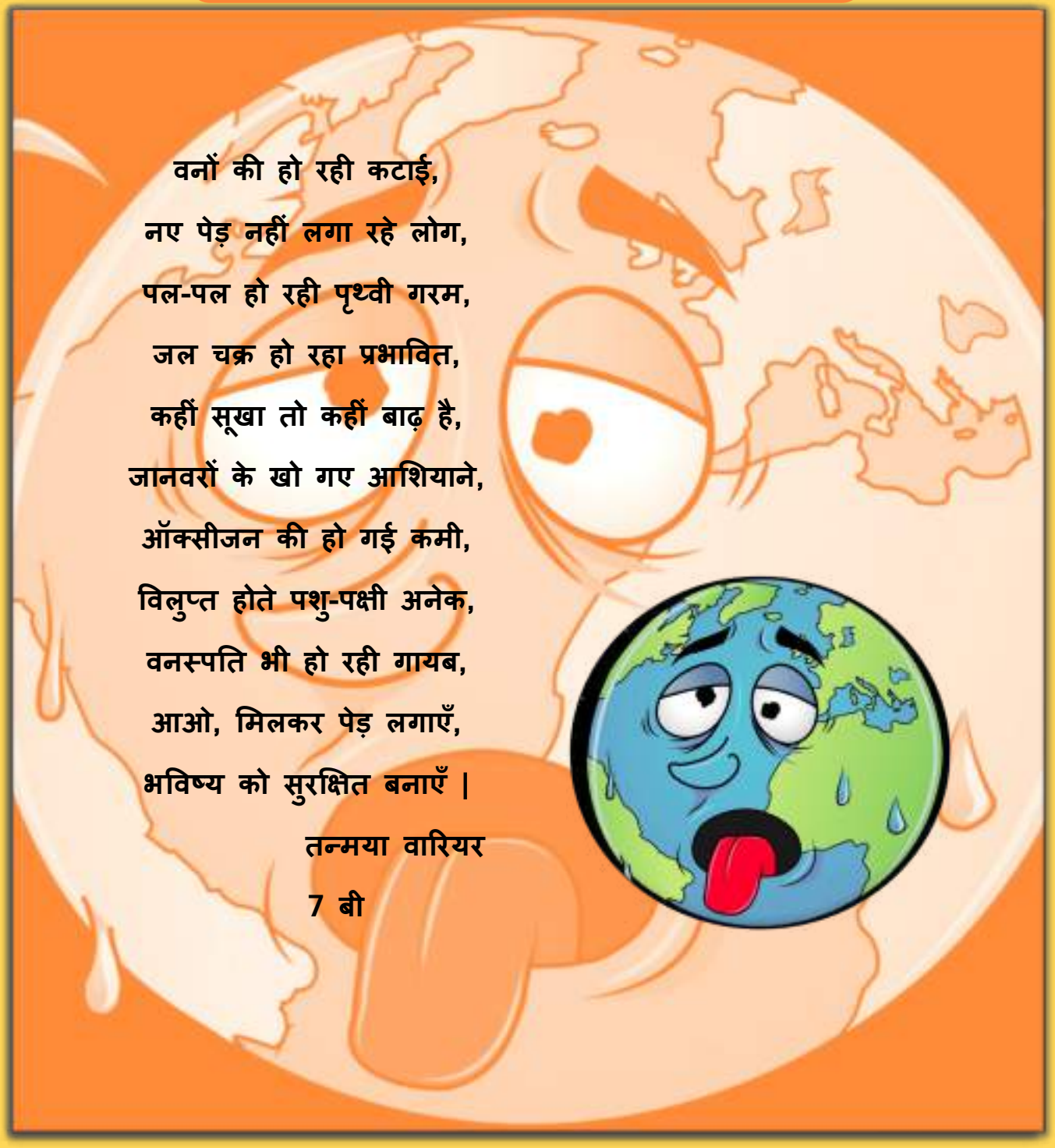

वनों की हो रही कटाई,
नए पेड़ नहीं लगा रहे लोग,
पल-पल हो रही पृथ्वी गरम,
जल चक्र हो रहा प्रभावित,
कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ है,
जानवरों के खो गए आशियाने,
ऑक्सीजन की हो गई कमी,
विलुप्त होते पशु-पक्षी अनेक,
वनस्पति भी हो रही गायब,
आओ, मिलकर पेड़ लगाएँ,
भविष्य को सुरक्षित बनाएँ |

तन्मया वारियर
7 बी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी के थे वीर हज़ार,
भुला दिया सब को,
बस कुछ नाम ही अब हैं याद,
गाँधी, नेहरु, पटेल, भगतसिंह और चंद्रशेखर,
पर याद इन्हें भी रखो,
लाला जी, तिलक बोस और वीर सावरकर,
भारत माँ के लाल थे सारे,
स्वाधीनता के दीवाने,
बस आज़ादी की चाह थी इन्हें,
कर याद तू भी वंशज है इनका,
कर्ज़ मातृभूमि पर है जिनका,
आज़ादी के अमृत महोत्सव पर,
है नमन सब शहीदों को,
हर दिल में गुंजित यह पुकार है,
अंत हो आतंक का,
अब न जाए यह बलिदान बेकार,
आत्मनिर्भर भारत का करें सपना साकार,

विश्व गुरु बने भारत हमारा,
नाम हो सारे संसार में,
हमारा है बस यही कहना,
करो नहीं नफ़रत किसी से,
हम सब भारतवासी हैं ,
भाई-भाई का नाता अपना,
हम प्यार फैलाते हैं |

तक्षील जाखड़
8 डी

तितली रानी

रंग-बिरंगे पंखों वाली,
फूल-फूल पर तुम मंडराती,
मधुर पराग इकट्ठे करती,
बाग़-बगीचे डाली-डाली,
तुम उड़ती रहती,
रंगबिरंगे पंखों वाली,
तितली रानी, तितली रानी,
कमल, गुलाब, चमेली, चंपा,
सूरजमुखी और रजनीगंधा,
क्यारी-क्यारी तेरी सवारी,
बच्चों को हर्षाने वाली,
रंगबिरंगे पंखों वाली,
तितली रानी, तितली रानी |

पलाश झंवर
6 ई

तुमसा होना चाहती हूँ

माँ मैं बस तुम-सा होना चाहती हूँ,
जब कभी कमज़ोर होने लगूँ,
तो तुम-सा मज़बूत होना चाहती हूँ,
जब लगे अब बस और नहीं,
तब तुम्हारी तरह आशा का दीप जलाना चाहती हूँ,
जब कभी लड़खड़ाएँ मेरे कदम,
मैं तुम-सा चट्टान होना चाहती हूँ,
अपने आँसुओं से पहले,
तुम्हारी तरह दूसरों के गम बाँटना चाहती हूँ,
माना की दुनिया उतनी अच्छी नहीं,
पर तुम्हारी तरह प्यार से,
दुनिया जीतने का हुनर चाहती हूँ,
ख़ुदग़र्ज़ों के इस जहान में,
मैं तुम्हारी तरह होना चाहती हूँ,
माँ मैं बस थोड़ा तुम-सा होना चाहती हूँ ।

ध्रुविका सिंह
5 एफ़

पानी बचाओ

एक दिन खुशी अपनी घर में खेल रही थी । उसकी माँ छत पर कुछ काम कर रही थी । माँ ने कहा, “खुशी नल को बंद करो नहीं तो पानी बर्बाद होगा ” । खुशी ने कहा, "हाँ, माँ ।" मगर खेल-कूद के चक्कर में भूल गई । बाल्टी में पानी पूरा भर गया था । घर से बाहर बहता गया । पूरी सड़क पर पानी ही पानी हो गया माँ ने आकर देखा तो हैरान हुई नल को बंद करके खुशी को बुलाया । खुशी बहुत शर्मिंदा हुई । माँ ने यह भी कहा कि पानी जीवन का आधार है । इसे किसी को बरबाद करने का हक नहीं हैं । खुशी को अपनी गलती का एहसास हुआ । उसने ठाना कि कभी भी वह पानी को बरबाद नहीं करेगी।

जयश्रीवनी. के

4 सी

शेर और मगरमच्छ

एक समय की बात है | एक घने जंगल में एक शेरनी अपने एक बच्चे के साथ रहती थी । एक बच्चे को गुफा में छोड़कर शिकार करने गई थी तब बच्चे को बहुत प्यास लगी और वह अकेले ही नदी में पानी पीने चला गया । जब वह पानी पी रहा था तभी वहाँ एक मगरमच्छ आया और उसे गले से दबोच कर पानी में ले गया । मगरमच्छ बहुत शक्तिशाली था लेकिन शेरनी के बच्चे ने छोटे होने पर भी हार नहीं मानी और मगरमच्छ से अंत तक लड़ता रहा तथा काफ़ी प्रयास के बाद उसने उस मगरमच्छ को मार दिया ।

प्रमोदन सतीश

4 सी

कर भला तो हो भला

एक बहुत पुरानी कहावत है- "कर भला तो हो भला" । ये तो हर कोई जानता है कि हम दूसरों के साथ जैसा व्यवहार करते हैं वैसा ही हमें फल प्राप्त होता है । आज मैं आपको इस विषय पर एक कहानी सुनाने जा रहा हूँ । जिससे ये पता चलता है कि आखिर ऐसा क्यों कहा गया है । एक दिन मोहन अपना काम खत्म करके अपने घर जा रहा था । घर जाने से पहले वो हमेशा होटल में ही खाना खाता था । एक दिन वो खाना खाने के लिए होटल में बैठा और उसने खाना आर्डर किया और खाना उसके टेबल पर आ गया । जैसे ही वह खाना खाने ही वाला था, वैसे ही उसे होटल के बाहर एक छोटी-सी बच्ची दिखाई दी । जो उसके खाने को बड़ी उम्मीद से देखे जा रही थी कि काश ! उसे भी वैसा खाना खाने को मिले । पर बच्ची बहुत गरीब थी | वो बस उम्मीद ही कर सकती थी । तभी मोहन समझ गया कि बच्ची को भूख लगी है । मोहन ने बच्ची को अंदर बुलाया और उससे पूछा । क्या चाहिए बेटी ? बच्ची ने खाने की तरफ ऊँगली से इशारा किया ।

तब मोहन ने अपनी खाने की थाली उस बच्ची को दे दी | फिर बच्ची ने आराम से खाना खाया और वहाँ से चली गई । अब मोहन को भी भूख लगी थी | लेकिन उसके पास ज़्यादा पैसे नहीं थे कि वो अपने लिए दुबारा खाना आर्डर कर सके । इसलिए उसने खाने का बिल मँगवाया । जब होटल वालों ने उसे बिल दिया तो मोहन देख के दंग रह गया, क्योंकि उस कागज़ पर लिखा था- "माफ़ करिए श्रीमान हमारे पास इंसानियत का बिल बताने वाली मशीन ही नहीं है।

आरव भरमोरिया
10 ई

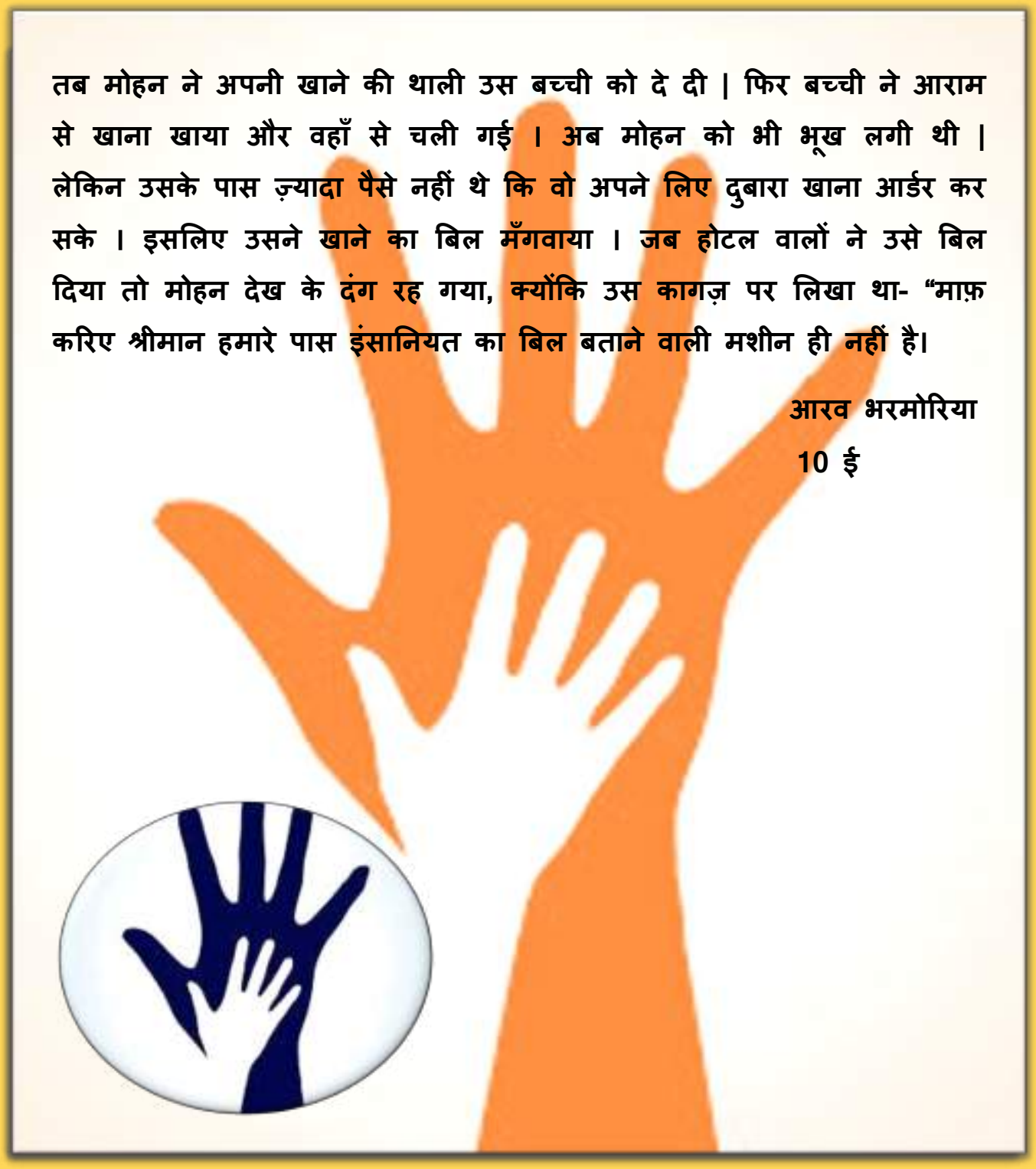

हिंदी वर्ग पहेली - विलोम

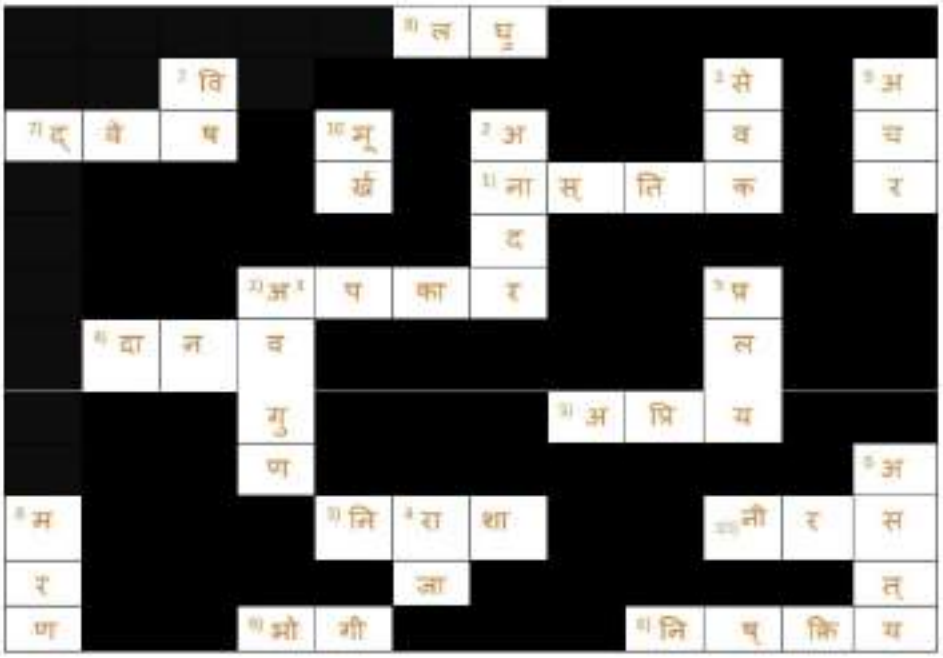

ऊपर से नीचे - विलोम शब्द

1. स्वामी
2. आदर
3. गुण
4. रंक
5. सृष्टि
6. सत्य
7. अमृत
8. जीवन
9. घर
10. पंडित

बाएँ से दाएँ - विलोम शब्द

1. आस्तिक
2. उपकार
3. आशा
4. मानव
5. प्रिय
6. सक्रिय
7. राग
8. दीर्घ
9. योगी
10. सरस

जिष्णु टोपरानी - 7C

मुटकुले

पिंकी और बिल्लू

अध्यापिका - पिंकी, तू कल पाठशाला क्यों नहीं आई थी ?

पिंकी - अध्यापिका जी, कल सपने में मैं जापान पहुँच गई थी |

अध्यापिका - और बिल्लू, तुम क्यों नहीं आए थे ?

पिंकी - अध्यापिका जी मैं पिंकी को छोड़ने एअरपोर्ट गया था |

श्रेयस ठाकरे

4 ए

हिंदी विभाग

की

उपलब्धियाँ

- भारतीय विद्यालय अल घुब्रा के हिंदी विभाग ने वर्ष २०२३-२४ में सुलेख और श्रुतलेख प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया| इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं -

सुलेख प्रतियिगिता (कक्षा - तीसरी)	
पहला स्थान : रमया रानी साहू	3 जी
दूसरा स्थान : मुक्ता निलेश वैरुले	3 ई
तीसरा स्थान : खदीजा अख़तर	3 सी

सुलेख प्रतियिगिता (कक्षा - चौथी)	
पहला स्थान : अक्षिता सेंतिल कुमार	4 डी
दूसरा स्थान : आरना सिंह	4 ई
तीसरा स्थान: खनक उमंग गांधी	4 डी

सुलेख प्रतियिगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - पाँचवी)	
पहला स्थान : मिन्ना मोहम्मद रफ़ीक	5 जी
दूसरा स्थान : निहारिका नवीन	5 बी
तीसरा स्थान : शान्ज़ा फ़ातिमा	5 डी

सुलेख प्रतियिगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - छठी)	
पहला स्थान : मैरी टेरेसा एंटोनी	6 सी
दूसरा स्थान : आयुष्मान मल्लिक	6 बी
तीसरा स्थान : लक्ष्मी प्रताप	6 एफ

सुलेख प्रतियिगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - सातवी)	
पहला स्थान : नयनिका शवीन	7 ए
दूसरा स्थान : श्वेता चंद्रमौलि	7 ई
तीसरा स्थान : आलिया शैख	7 ए

सुलेख प्रतियिगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - आठवीं)	
पहला स्थान : एन मेरी जोसेफ़	8 ए
दूसरा स्थान : श्रीशा भट	8 सी
तीसरा स्थान : दीया विश्वनाथ	8 ए

सुलेख प्रतियिगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - नौवीं)	
पहला स्थान : अक्षरा गणेश कामत	9 ई
दूसरा स्थान : मालविका श्रीकुमार	9 एफ़
तीसरा स्थान: ईशान नजीब	9 बी

सुलेख प्रतियिगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - दसवीं)	
पहला स्थान : आस्था कुमारी	10 डी
दूसरा स्थान : मृणालिनी मनहास	10 सी
तीसरा स्थान : गौरी रंजीत	10 ए

सुलेख प्रतियिगिता : हिंदी तृतीय भाषा (कक्षा - छठी)	
पहला स्थान : मालविका सुरेश	6 डी
दूसरा स्थान : नियंत्री आर	6 बी
तीसरा स्थान : चित्रांगना सजित	6 सी

सुलेख प्रतियिगिता : हिंदी तृतीय भाषा (कक्षा - सातवीं)	
पहला स्थान : रीता मार्टिन	7 ए
दूसरा स्थान : जोआना जॉर्ज फिलिप	7 बी
तीसरा स्थान : तनुशा सतीश	7 सी

सुलेख प्रतियोगिता : हिंदी तृतीय भाषा (कक्षा - आठवीं)	
पहला स्थान : जानवी दिव्या मृणाल	8 बी
दूसरा स्थान : हानिया जोशी	8 सी
तीसरा स्थान : दृश्या शिबु नायर	8 ए

श्रुतलेख प्रतियिगिता (कक्षा - तीसरी)	
पहला स्थान : फ़ैज़ खतरी	3 ई
दूसरा स्थान : देव दिनेश	3 ए
तीसरा स्थान: प्रीतिका मुत्तुकुमार	3 एफ़

श्रुतलेख प्रतियिगिता (कक्षा - चौथी)	
पहला स्थान : ए. वी. आर. एस. वैष्णवी	4 जी
दूसरा स्थान : आरना सिंह	4 ई
तीसरा स्थान : अरिहंत चमोला	4 डी

श्रुतलेख प्रतियिगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - पाँचवी)	
पहला स्थान : अवनी मेहता	5 सी
दूसरा स्थान : ध्रुविका सिंह	5 एफ़
तीसरा स्थान : लिथरन विजय	5 ए

श्रुतलेख प्रतियिगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - छठी)	
पहला स्थान : आशी भुरे	6 ए
दूसरा स्थान : शरण विनोथ विजय	6 एफ़
तीसरा स्थान : अनुराग चक्रबर्ती	6 डी

श्रुतलेख प्रतियिगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - सातवी)	
पहला स्थान : आलिया शैख़	7 ए
दूसरा स्थान : भव्यम गोयल	7 सी
तीसरा स्थान : दर्श आर माल्या	7 एफ़

श्रुतलेख प्रतियोगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - आठवी)	
पहला स्थान : आनंदी कुमारी	8 ए
दूसरा स्थान : श्रीशा भट	8 सी
तीसरा स्थान: प्रेयशी साहा कुमार	8 एफ़

श्रुतलेख प्रतियोगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - नौवीं)	
पहला स्थान : देवकी विश्वनाथन अदियल	9 ए
दूसरा स्थान : अनिका गोविल	9 ई
तीसरा स्थान : एंजेला मरियम कुरियन	9 डी

श्रुतलेख प्रतियोगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - दसवी)	
पहला स्थान : तन्वी रावत	10 ई
दूसरा स्थान : श्रीया नरेंद्र	10 ए
तीसरा स्थान : आस्था कुमारी	10 डी

- भारतीय विद्यालय अल घुब्रा के हिंदी विभाग ने वर्ष २०२३-२४ में हिंदी आशु भाषण प्रतियोगिता, हिंदी कहानी वाचन प्रतियोगिता, हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया | इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं -

कविता प्रतियोगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - पाँचवी)	
पहला स्थान : अलभ्या कौशिक	5 डी
दूसरा स्थान : युवन अलय नायक	5 ए
तीसरा स्थान : मार्लिन टरीसा बोबी	5 डी

कहानी प्रतियोगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - छठी)	
पहला स्थान : आशी भुरे	6 ए
दूसरा स्थान : शरण विनोथ विजय	6 एफ़
तीसरा स्थान: जिया मोहित जगनानी	6 बी
अदिवा भरमोरिया	6 ए

कविता प्रतियोगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - सातवी)	
पहला स्थान : देवांशु बनिक	7 ए
पहला स्थान : नाज़िश शौकत मुखरी	7 ए
पहला स्थान : नयनिका शवीन	7 ए

आशु भाषण प्रतियोगिता : हिंदी द्वितीय भाषा (कक्षा - आठवी)	
पहला स्थान : प्रेयशी साहा कुमार	8 एफ़
दूसरा स्थान : आनंदी कुमारी	8 ए
तीसरा स्थान : के.श्रीशा भट	8 सी

झलकियाँ

विश्व हिंदी दिवस

नन्हें रचनाकार

पेड़ हमारे रक्षक

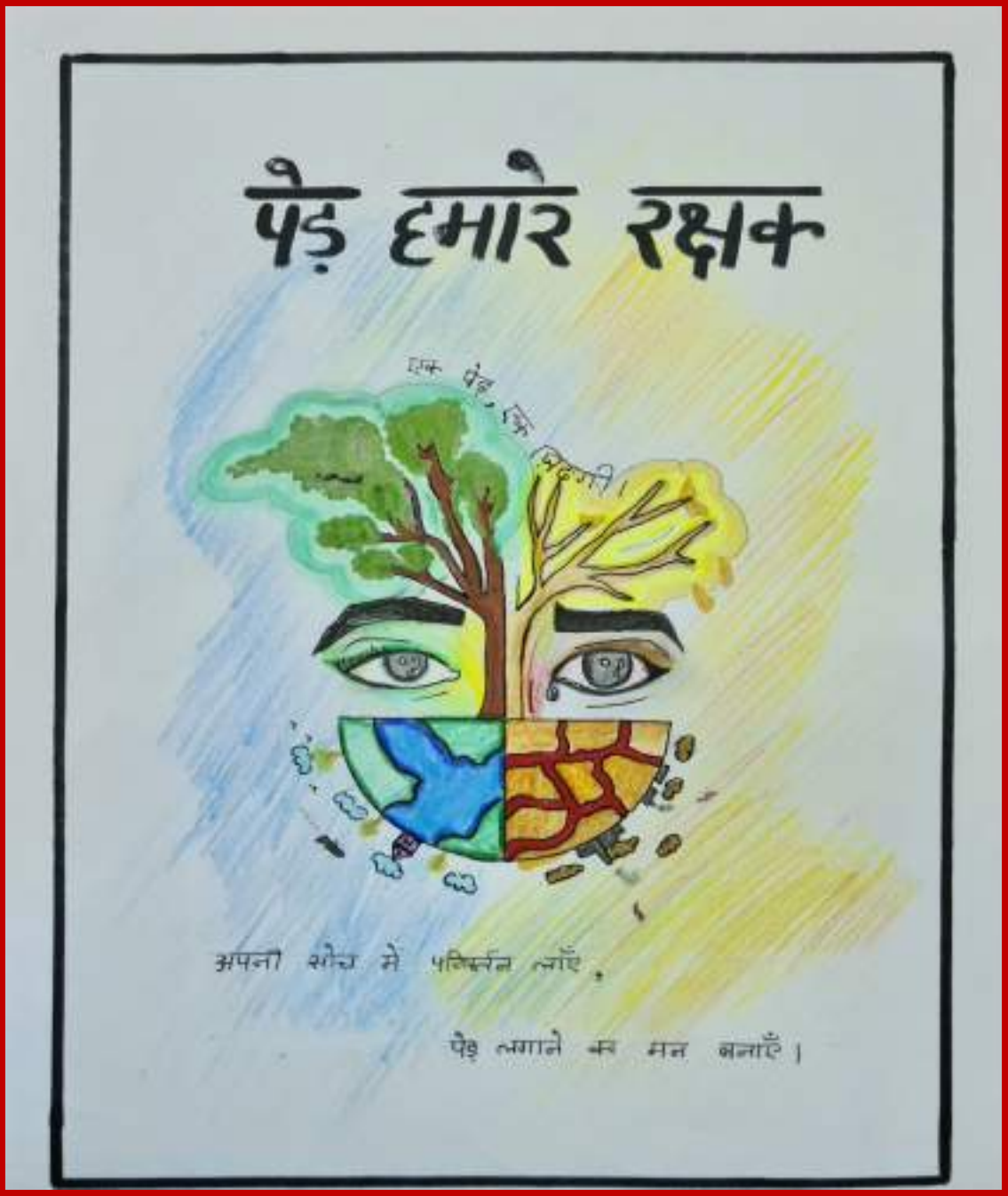
पेड़ हमारे रक्षक
अपनी सोच में परिवर्तन लाएँ,
पेड़ लगाने का मन बनाएँ।

संपादक/ संशोधक मंडल :

सुनीता चौधरी, ऋतु श्रीवास्तव, विनीता गौतम

तकनीकी कार्य :

विनीता गौतम

सहयोग :

सुनीता चौधरी, ऋतु श्रीवास्तव, अनुपमा सिंह, पूर्णिमा सिंह, डिंपल शर्मा, विनीता गौतम, हर्ष पाहुजा, राधिका अरविंद, सीमा मैसी

मुखपृष्ठ :

विनीता गौतम, ऋतु श्रीवास्तव

हिन्दी-विभाग भारतीय विद्यालय अल घुब्रा के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं एंसीलरी स्टाफ़ के सहयोग के लिए आभारी है।

भारतीय विद्यालय अल घुब्रा

दया कर दान विद्या का,

हमें परमात्मा देना,

दया करना हमारी आत्मा में,

शुद्धता देना |

बहा दो ज्ञान की गंगा,

दिलों में प्रेम का सागर,

हमें आपस में मिल-जुल के,

प्रभु रहना सिखा देना |

तरंगिणी

2023-24